A–0160

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BAJY (N)-102

होराशास्त्र एवं फलादेश के सिद्धान्त

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. द्विग्रहयोग, चतुर्ग्रह, एवं पंचग्रह योग का फल लिखिए।

2. विशोंतरी दशा का परिचय देते हुए, साधन कीजिए।

3. सूर्यादिनवग्रहों का दशाफल लिखिए।

4. अष्टोत्तरी दशा से क्या तात्पर्य हैं ? प्रकाश डालिए।

अथवा

योगिनी दशा का परिचय देते हुए, योगिनी दशा फल का वर्णन कीजिए।

5. प्रत्यन्तर्दशा से आप क्या समझते हैं ? प्रकाश डालिए।

अथवा

शुक्र विंशोतरी दशा में भौम अन्तर्दशा का फल लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सप्तम, अष्टम तथा नवम भावों का भाव फल लिखिए।

अथवा

भाव से क्या तात्पर्य हैं ? उल्लेख कीजिए।

2. ग्रह दृष्टि से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

3. भावबल से क्या तात्पर्य हैं ? वर्णन कीजिए।

4. ग्रहों के पूर्ण बल पर प्रकाश डालिए।

अथवा

द्वादश भाव विचार का उल्लेख कीजिए।

5. नैसर्गिक तथा तात्कालिक मैत्री से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

6. ऋतुफल, अयनफल तथा मासफल का वर्णन कीजिए।

7. पंचाग के महत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

द्वादश भावों में कारक ग्रहों के फल को बताइए।

8. द्विग्रह तथा त्रिग्रह योगफल लिखिाए।

****